मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 179, मुंबई, मंगलवार, 23 अगस्त, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान
दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

रक्षाबंधन के
शुभ अवसर पर
काजू कतरी, काजू रोल
बदाम बर्फी, बदाम रोल
केसर पेड़े, पिस्ता लॉज
मिलेगा.
Order Now
www.mmmithaiwala.com
+91 98208 99501
MM MITHAIWALA

गणेशोत्सव के लिए 1,500 से अधिक मंडलों को
PERMISSION
अब तक 2,600 से अधिक आवेदन

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। 3 साल बाद मुंबई में बिना प्रतिबंध के मनाए जाने वाले गणेशोत्सव को लेकर लोगों में भारी उत्साह है। अब तक 2,600 सार्वजनिक मंडलों ने बीएमसी से आयोजन की परमिशन मांगी है। इनमें से 1,500 को परमिशन दे दी गई है। इस साल 4,000 से 5,000 मंडलों को परमिशन देने की बीएमसी की तैयारी है। इसके लिए बीएमसी ने सिंगल विंडो सिस्टम शुरू किया है। 23 अगस्त तक लोग परमिशन के लिए आवेदन कर सकते हैं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

तैयार है प्रशासन

बीएमसी ने गणपति मूर्तियों के विसर्जन के लिए 210 नियंत्रण कक्ष, 679 लाइफ गार्ड्स, 46 मोटर बोट, 33 जर्मन तराफा, 134 स्वागत कक्ष, 3069 फ्लड लाइट, 71 सर्च लाइट, 155 फर्स्ट एड सेंटर, 376 कचरा डिब्बा, 112 टेंपररी शौचालय और 60 एम्बुलेंस सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

अय्याशी का इवेंट...
एंट्री फीस 2 लाख

संवाददाता

जयपुर। राजस्थान पुलिस की अपराध शाखा ने एक बड़े ऑपरेशन में जयपुर में हाई प्रोफाइल लोगों से जुड़े डांस बार और कसीनो गतिविधियों में शामिल एक इंटर स्टेट ग्रुप का भंडाफोड़ किया गया है। जयपुर में एक फार्म हाउस पर रेड डालते हुए 84 लोगों को गिरफ्तार किया गया। (शेष पृष्ठ 3 पर)

इंस्पेक्टर-प्रोफेसर और तहसीलदार भी थे शामिल

उद्धव और राज ठाकरे एक बार फिर साथ आएंगे?
शर्मिला ठाकरे ने दिए संकेत

मुंबई। शिवसेना पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे क्या एक बार फिर साथ आने वाले हैं? इस पर चर्चाएं कई बार हुई हैं। संभावनाएं कई बताई गई हैं। पर 'डॉन को पकड़ना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है' कि तर्ज पर राजनीतिक पंडितों ने अब इस संभावनाओं पर बात करना भी बंद कर दिया है। लेकिन एक बार फिर इसकी संभावनाओं पर बात करनी पड़ेगी। इसकी वजह बड़ी है। दरअसल इसके संकेत राज ठाकरे की पत्नी शर्मिला ठाकरे ने दिए हैं। शर्मिला ठाकरे ने कहा है कि अगर कोई वहां से ऑफर आता है, तो देखा जाएगा। (शेष पृष्ठ 3 पर)

शिक्षक भर्ती की बहाली को लेकर प्रदर्शन

अभ्यर्थियों पर एडीएम ने बरसाईं लाठियां, पुलिस की कार्रवाई पर तेजस्वी यादव ने दी सफाई

पटना। बिहार की राजधानी पटना में शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों पर पुलिसवालों ने जमकर लाठियां भांजी। दरअसल, बिहार शिक्षक पात्रता परीक्षा कराने और सातवें चरण की शिक्षक भर्ती की मांग को लेकर पूरे बिहार से राजधानी पटना पहुंचे शिक्षक अभ्यर्थी सोमवार को डाक बंगला चौराहा पर बड़ी संख्या में इकट्ठे होकर प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने इन अभ्यर्थियों पर लाठी चार्ज किया। पुलिस के बल प्रयोग में कई अभ्यर्थियों को चोटें भी आई हैं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

हमारी बात

बूस्टर की चिंता

कोरोना महामारी के विभिन्न वेरिएंट और टीके हमारी जिंदगी के स्थायी हिस्से बन गए हैं। कोरोना रूप बदलकर लगातार हमले कर रहा है, तो टीके भी चचाओं में बने हुए हैं। मोटे तौर पर आंकड़ा देखें, तो दुनिया में अब तक लगभग 60 करोड़ लोगों को कोरोना हो चुका है, जिसमें से 64.5 लाख लोग दुनिया से जा चुके हैं। जुलाई में दुनिया भर में प्रतिदिन कोरोना मामले 10 लाख के पार पहुंच गए थे और अभी प्रतिदिन आठ लाख से ज्यादा मामले आ रहे हैं। बीते 19 अगस्त को दुनिया में 2,642 लोगों की कोरोना से मौत हुई है, मतलब कुल मिलाकर कोरोना का कहर कमोबेश जारी है। भारत की बात करें, तो प्रतिदिन औसतन 12 हजार से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं और 19 अगस्त को जान गंवाने वालों की संख्या 36 थी। अमेरिका की स्थिति लगातार खराब बनी हुई है, वहां अभी भी 36 लाख से ज्यादा सक्रिय मामले हैं, दक्षिण कोरिया, जापान और जर्मनी का भी बुरा हाल है। दुनिया में 44 हजार से ज्यादा मरीज हैं, जिनकी स्थिति कोरोना की वजह से बहुत गंभीर बनी हुई है। कोरोना का भय भले कम हो गया हो, लेकिन संक्रमण अभी इतना कम नहीं हुआ है कि किसी तरह की खुशी या सफलता का इजहार किया जाए। अब एक समस्या बूस्टर डोज को लेकर भी आ रही है। कौन सा टीका बुस्टर डोज के रूप में लिया जाए? किस देश में महामारी का कौन सा संस्करण सक्रिय है, वहां कौन सा बूस्टर डोज ज्यादा काम करेगा? यहां यह ध्यान रहे कि दुनिया में 491 करोड़, मतलब 62.9 प्रतिशत लोगों का टीकाकरण पूरा हो चुका है। दुनिया में 2.37 अरब लोगों को एक या अधिक बूस्टर डोज भी लग चुका है। भारत बूस्टर डोज के मामले में पीछे चल रहा था, लेकिन विगत एक महीने हुई विशेष प्रगति को जोड़ लें, तो देश में 13 करोड़ से ज्यादा लोगों को बूस्टर डोज लग चुका है। हालांकि, भारत में अभी भी 30 प्रतिशत से ज्यादा लोगों का प्राथमिक टीकाकरण भी नहीं हो सका है। अब जो लोग ज्यादा सचेत हैं, वही आगे आकर टीका या बूस्टर डोज ले रहे हैं। टीका लेने की जैसी सुविधा पहले चरण में थी, वैसी अब नहीं है, अतः लोगों में भी आम जीवन की आपाधापी की वजह से टीके के प्रति जागरूकता कम हुई है। बूस्टर डोज को लेकर एक संशय भी है, तरह-तरह के सवाल हैं। चिकित्सक भी एकमत नहीं हैं। नेचर में प्रकाशित एक रिपोर्ट में यह समझने की कोशिश हुई है कि अब कौन सा टीका बूस्टर डोज के रूप में लिया जाए। टीकों के इतने तरह के विकल्प हैं कि लोग सोचने को मजबूर हैं, कौन सा टीका कब लिया जाए? टेनेसी में वेंडरबिल्ट यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर की बाल रोग विशेषज्ञ और वेंडरबिल्ट वैक्सीन रिसर्च प्रोग्राम की निदेशक कैथरीन एडवर्ड्स कहती हैं, ये कठिन प्रश्न हैं और कोई वास्तविक सही उत्तर नहीं है। ओमीक्रॉन की जगह दूसरे वेरिएंट ज्यादा सक्रिय हैं, बीए-1 का प्रकोप ज्यादा हो गया है। अमेरिका और यूरोप में बीए-4 और बीए-5 वेरिएंट सक्रिय हैं। इन वेरिएंट के अनुरूप टीका आगामी दो महीनों में आने की उम्मीद है। विकसित देशों में टीके का विकास तेजी से जारी है। भारत सहित तमाम देशों में यह बहस जारी है कि मूल टीके का बूस्टर डोज लें, या ओमीक्रॉन-विशिष्ट स्पाइक वाले संस्करण के लिए कुछ महीने प्रतीक्षा करें। दिशा-निर्देशों के अनेक विकल्पों के बावजूद विशेषज्ञ अभी भी पुख्ता तौर पर कुछ नहीं बता रहे हैं और बूस्टर डोज संबंधी फैसला लोगों पर ही छोड़ना चाहते हैं।

मोदी की सीबीआई, ईडी व गोरों और मुगलों का राज, उनके कोतवाल!

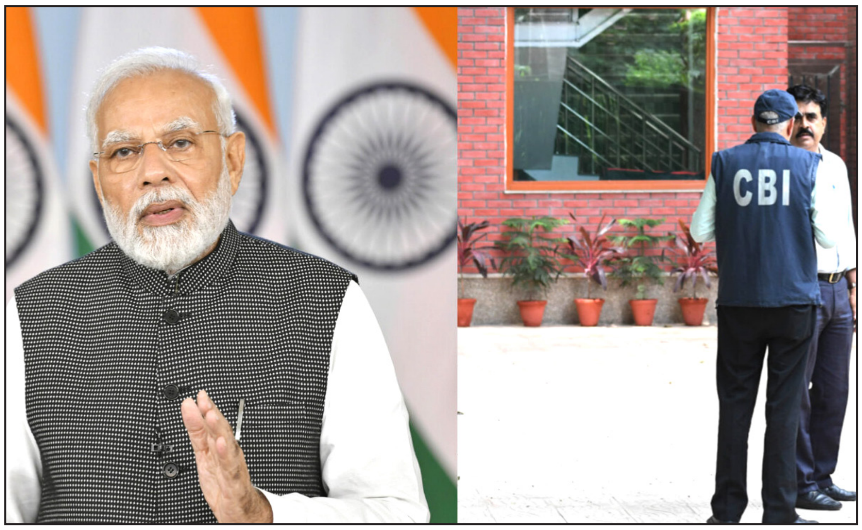

नरेंद्र मोदी के राज का नंबर एक पाप क्या है? अपना मानना है भारतीयों पर वैसे ही राज करना, जैसे अंग्रेजों ने किया था। फूट डालो राज करो। दूसरे, सत्ता और पुलिस से सत्ता विरोधियों को डराना। उन्हें देशद्रोही-भ्रष्ट करार देना। मुझे सन 2014 में मोदी से तीसरी आजादी की उम्मीद थी। मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि नरेंद्र मोदी लाल किले से विरोधियों में यह खौफ बनाएंगे कि मैं छोडूंगा नहीं। इतिहास का सत्य है कि लाल किले का बादशाह हिंदुओं को डरा कर राज करता था। मुगलों और अंग्रेजों दोनों ने कोतवालों और पुलिस के ऐसे कायदे कानून बनाए थे, जिससे चांदनी चौक का कोतवाल शासन का नंबर एक औजार था। उसी के डर से सब बादशाह के गुलाम तथा भक्त बने रहते थे। मुगलों और अंग्रेजों ने प्रजा को दो हिस्सों में बांट कर शासन किया। अपने और पराए याकि समर्थकों और विरोधियों की दो कैटेगरी के चेहरों में बादशाह फैसले लिया करते थे। जो लोग बादशाह या अंग्रेज के समर्थक थे वे उनको पैसा और नजराना देते। सेना (आज के संदर्भ में चुनावी चंदा) का खर्चा उठाते। ऐसे लोगों को मनमानी की छूट थी। वे दरबार से ईमानदार, राष्ट्रभक्त होने का ठप्पा लिए होते थे। वैसे ही जैसे मोदी राज में मंत्री, दरबारी, पाला बदल कर आए नेता भले कितने ही भ्रष्टाचारी रहे हों लेकिन उनकी तरफ सीबीआई, ईडी, कोतवाल, पुलिस की हिम्मत नहीं होती जो वे उनके खिलाफ कुछ करें। उन पर छापा मारें।

इतिहास का सत्य है कि जिसकी दिल्ली और जो लाल किले का मालिक वह मानो भारत का मालिक। दिल्ली का जो भी मालिक होता था वह देश में दूसरे किसी को ताकतवर, लोकप्रिय होते लीडर को बरदाश्त नहीं करता था। दिल्ली के मुगल और अंग्रेज पूरे देश को अपने एजेंटों, पुलिस, कोतवालों तथा फौज से कंट्रोल करते थे। अंग्रेजों ने इसी अंदाज में जमींदारियां बनवाईं। उन्हें जब उद्धव ठाकरे जैसे किसी हिंदू राजा से खतरा लगा तो लोकल एजेंट के जरिए खरीद-फरोख्त से उसके दरबार में विभीषण पैदा किए। उसकी सत्ता पलटवाई। एकनाथ शिंदे जैसे किसी ताबेदार को रियासत का जमींदारा दिया। दिल्ली का मुगलिया औरंगजेब इसलिए छत्रपति शिवाजी से चिढ़ा क्योंकि वे अपनी प्रजा और अपनी स्वाधीनता में जीने की हूक लिए हुए थे। भला ऐसा मिजाज पूरे हिंदुस्तान का अपने को बादशाह मानने वाला औरंगजेब कैसे बरदाश्त करता? दिल्ली से औरंगजेब ने जिस क्रूरता से बंगाल, मराठा, दक्खन के रजवाड़ों के पर कतरे, उस वक्त के इतिहास और आज के वक्त का बेसिक फर्क यह है कि नरेंद्र मोदी की निज सत्ता एकाधिकारी भूख से सब कुछ है जबकि औरंगजेब को धर्म भी ड्राइव करता था। वह इस्लाम का सच्चा बंदा था। उसने मंदिर तुड़वाए। असंख्य लोगों का धर्मांतरण कराया। वह सादगी में जीता था। कथनी नहीं, बल्कि उसने करनी से भारत को इस्लामी झंडे में रंगा। जबकि सन 2022 की रियलिट केवल निज सत्ता की चिंता है। कथनी और दिखावे में हिंदुओं को सिर्फ बहलाना-फुसलाना है। यह भ्रम बनवाना है कि मैं हूं तो सब है! मैंने यदि तिरंगा उठाया है तो यहीं भगवा धर्म ध्वजा है। बहरहाल, यह अलग मसला है। मोटा मोटी गुलामी काल और आज के लोकतांत्रिक भारत का सत्य है कि दिल्ली सल्तनत को मेवाड़ या मराठा, झांसी, अवध आदि के रजवाड़ों, सामंतों, स्वाभिमानी-आजादीपरस्त हिंदू वीर और विरोधी ताकतें हमेशा चुभती रहीं। मुगल और अंग्रेजों की दिल्ली का मनोभाव वहीं था, जो आज के राष्ट्रवादी नरेंद्र मोदी का है। मैं पूरे देश का मालिक। और मेरी सत्ता की निरंतरता की गारंटी की मूल जरूरत है बांटो व राज करो। विरोध-विपक्ष को ऐसे बदनाम, भ्रष्ट, देशद्रोही करार दो, जिससे जनता को दूसरा विकल्प समझ ही नहीं आए। उन लोगों और उनके नेताओं, उनकी पार्टियों को खत्म करो, जिनसे सन 2024 या सन 2029 में खतरा हो। दिल्ली की अंग्रेज सत्ता का क्या मकसद था? पहले कंपनी की कमाई और फिर महारानी के भारत कोहिनूर की रक्षा। कैसे यह काम हुआ? कोतवालों, सूबों में एजेंटों, जमींदारों के जरिए और सीबीआई तथा कोतवालों के आतंक से उन्होंने अपनी सत्ता, एकाधिकार बनाया। अंग्रेजों की व्यवस्था में ही पुलिस, सीबीआई के वे कानून-कायदे बने, जिसके आजाद भारत में ये बाई-प्रोडक्ट हुए- डीआरआई, मीसा, टाडा, ईडी जैसे नए कानून और उनकी व्यवस्थाएं। रौलेट एक्ट, देशद्रोह कानून, प्रेस एक्ट, सीबीआई सभी को अंग्रेजों ने ही बनाया, ताकि उनका विरोध नहीं हो। विपक्ष खड़ा न हो। लोग आजादी नहीं मांगें। मगर गोरे अंग्रेज फिर भी ब्रितानी लोकतंत्र के बंदे थे। इसलिए उन्होंने बदलते वक्त के साथ भारत में विरोध बनने दिया। खुद एक अंग्रेज ने कांग्रेस नाम की पार्टी बनवाई। कांग्रेस को चंदा दिया। पैसा इकठ्ठा करने दिया। स्वदेशी आंदोलन होने दिए। लोगों को पार्टियां बनाने दी। पार्टियों-विरोधियों को धरना-प्रदर्शन-आंदोलन करने दिए। कांग्रेस, हिंदू महासभा, आरएसएस, मुस्लिम लीग सभी सेठों-बिड़लाओं व खाते-पीते लोगों से पैसा याकि चंदा लेते थे। राजनीति करते थे। अंग्रेजों की ऐसी तैसी करते थे। अंग्रेज सभ्य थे। जानते थे कि राजनीति पैसे से चलती है। और वे टैक्स याकि कानूनी तौर पर जब खुद पैसा इकठ्ठा कर राज चलाने का खर्चा व कमाई जुटाते हैं तो बेचारी भारत की विरोधी पार्टियों, जमातों के नेता यदि पैसा इकट्ठा कर रहे हैं तो क्या गलत। इसलिए गांधी यदि बिड़ला-बजाज सेठ को पटा कर खर्चा जुटा रहे हैं तो यह तो पाप होगा जो गांधी के आश्रम पर सीबीआई छापा डाले या कांग्रेस पार्टी के नेताओं, मुस्लिम लीग-हिंदू महासभा, आरएसएस के नागपुर दफ्तर पर, हेडगेवार के ठिकाने पर छापे मार कर पैसे और कागजों की बरामदगी से हल्ला बनवाए कि देखो, देखो गांधी बिड़लाओं से पैसा लेता है, जबकि संत-महात्मा होने का ढोंग रचता है! ये देशी लोग भ्रष्ट हैं इनकी कमान में आजादी ले कर भारतीयों क्या पाओगे? तभी सोचें, आजादी से पहले के 75 सालों और आजादी बाद के 75 वर्षों में भारत की पार्टियों ने लोगों से कितने अरब रुपए का नकद पैसा या चंदा, चुनावी-राजनीति खर्च इकठ्ठा किया होगा? क्या कांग्रेस, संघ, जनसंघ, भाजपा नकद पैसा, दो नंबर का पैसा लेकर राजनीति व समाज सेवा करते हुए नहीं थे? संभव है इसमें कई लोगों ने पैसा खाया हो, निजी भ्रष्टाचार किया हो। लेकिन 150 वर्षों में दिल्ली का ऐसा कौन सा अंग्रेज हाकिम, कांग्रेसी हाकिम या जनसंघी (प्रधानमंत्री वाजपेयी) ऐसा राष्ट्र प्रमुख हुआ, जिसने विरोधी सूबेदार, राजा, विरोधी पार्टी, विपक्ष को ले कर यह तरीका अपनाया हो कि मैं सत्ता में रहते हुए कानूनी तौर पर (फिलहाल चुनाव के इलेक्टोरल बांड्स के जरिए) हजारों करोड़ रुपए का कुबेरी खजाना बनाऊंगा लेकिन विपक्ष को न पैसा लेने दूंगा न रखने दूंगा? नरेंद्र मोदी और अमित शाह क्योंकि तासीर में पैसे का खेल बारीकी से जानते हैं तो सत्ता संभालते की चुनाव सुधार के ढोंग में चुनावी बांड्स की ऐसी व्यवस्था बनाई कि अरबपतियों के काम करके, उन्हें बहला-फुसला-धमका कर सत्तावान तो अरबों रुपए का चेक से पेमेंट ले कर चुनावी खर्च का बंदोबस्त कर सकता है। जनता, संसद, मीडिया को किसी को पता नहीं पड़ता की किस सेठ ने भाजपा याकि दिल्ली की सत्तारूढ़ पार्टी को कितना पैसा दिया। सोचें 75 वर्षों की कैसी चतुर और भ्रष्ट चंदा नीति। इस नीति में क्या किसी सेठ की हिम्मत जो वह सत्तारूढ़ पार्टी के बराबर विपक्षी दलों को चंदा देगा! तभी मोदी-शाह के राज में बेइंतहां अरबों रुपए का चंदा भाजपा को और बाकी पार्टियों को छटांग भर पैसा! सोचें, मोदी राज ने विपक्ष को राजनीति के लायक नहीं रहने देने का कैसा गजब प्रबंध किया। जबकि ऊपर से अपने बेइंतहां चुनावी खर्च से विरोधियों की जरूरतें बढ़ाईं। मगर राजनीति और चुनाव लड़ने लायक पैसा आए तो कहां से? विपक्ष के पास न बांड्स और चंदे से पैसे इकठ्ठा होने देना। और नकद कोई ले, इकठ्ठा करे तो सीबीआई और ईडी से छापे डलवा कर, उनका रिकार्ड चेक करवा कर उन्हें जनता के आगे नंगा बनाना। ताकि जनता उन्हें दागी, भ्रष्टाचारी मान उन पर विश्वास नहीं करे।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,
एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

बिलकिस बानो केस: 11 बलात्कारियों को गुजरात सरकार द्वारा रिहा करने पर मुंब्रा शहर में एनसीपी अल्पसंख्यक विभाग द्वारा किया गया विरोध प्रदर्शन

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। गत 19 अगस्त शुक्रवार एनसीपी अल्पसंख्यक विभाग द्वारा मुंब्रा पुलिस स्टेशन के निकट डॉ बाबासाहेब आंबेडकर चौक पर विरोध प्रदर्शन किया गया और जमकर नारेबाजी की गई बिल्किस बानो हम शर्मिंदा हैं तेरे कातिल जिंदा है, जो बहू बेटी की इज्जत नहीं कर पाएगा वह भारतीय क्या कहलायेगा दरसल यह विरोध प्रदर्शन बिल्किस बानो केस में गुजरात सरकार द्वारा 15 अगस्त स्वतंत्र दिवस पर रिहा किए गए 11 बलात्कारियों एवं हत्यारों को लेकर अपना विरोध जताया है इस मामले में ठाणे जिला के एनसीपी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष मुफ्ती अशरफ द्वारा बताया गया है के वर्ष 2002 में बिल्किस बानो के साथ 11 बलात्कारियों द्वारा सामूहिक बलात्कार किया गया था एवं उनकी 3 वर्ष की बच्ची समेत परिवार के 7 लोगों की हत्या निर्ममता से कर दी थी ऐसा दरिंदगी भरा और इंसानियत को शर्मसार करने वाला काम करने वाले 11 अपराधियों को गुजरात हाईकोर्ट द्वारा

उम्र कैद की सजा दी गई थी उन्होंने बड़े अफसोस के साथ में कहा स्वतंत्र दिवस के अवसर पर गुजरात सरकार द्वारा रिमिशन पॉलिसी के तहत बाइज्जत बरी कर दिया गया और उनका आदर सत्कार इस तरह से किया जा रहा था जैसे मानो कोई जंग जीत कर आए हैं उन्होंने मौजूदा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा जिस तरह से कदम उठाया गया है 11 अपराधियों को बाइज्जत बरी करके उसकी पूरी दुनिया में निंदा की जा रही है और देश को शर्मिंदगी की कगार पर लाकर खड़ा कर दिया गया है एक तरफ मोदी सरकार द्वारा कहा जाता है बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा दिया जाता है और उसके विपरीत इस तरह की घटनाएं सामने आ रही है जिस पर पूरा देश शर्मसार हो गया है मोदी सरकार के इस फैसले को उन्होंने बेहद निंदनीय बताया है जिसकी देशभर में आलोचना की जा रही है और देश में बिलकिस बानो को इंसाफ दिलाने के लिए हर राज्य में विरोध प्रदर्शन का सिलसिला आरंभ किया जा चुका है जिस बर्बरता से 11 दरिंदों ने बिलकिस बानो का बलात्कार किया गया था उस वक्त जब वह 5 महीने प्रेग्नेंट थी ऐसे दरिंदों को रिहा कर दिया गया यह बड़ा अन्याय किया जा रहा है जिसकी पूरे देश दुनिया में निंदा की जा रही है इस अवसर पर मर्जिया शानू पठान ने भी अपनी कड़ी प्रतिक्रिया मोदी सरकार के विरुद्ध में जाहिर की और मोदी सरकार द्वारा लिए गए इस निर्णय को लेकर आक्रोश जताया आपको बताते चलें मोदी सरकार द्वारा रिहा किया गया 11 दरिंदों के विरुद्ध में कहां जा रहा है उन 11 दरिंदों को वापस सलाखों के पीछे भेजा जाए और बिल्किस बानो के साथ में न्याय किया जाए इस विरोध प्रदर्शन में मुफ्ती अशरफ के साथ एनसीपी के कलवा मुंब्रा विधानसभा अध्यक्ष शमीम खान अशरफ मुल्लानी जफर नोमानी और अन्य महिलाएं इस विरोध प्रदर्शन में उपस्थित थीं आपको बतात चलें भिवंडी शहर में भी बिल्किस बानो को न्याय दिलाने के लिए जनता उनके समर्थन में सड़कों पर उतरती हुई नजर आ रही है इसके चलते कांग्रेस पार्टी द्वारा सिग्नेचर अभियान चलाया गया जिसमें कहा गया है बिल्किस बानो के 11 अपराधियों को फिर से सलाखों के पीछे भेजा जाए।

गणेशोत्सव पर जेल में ही रहेंगे संजय राउत

कोर्ट ने 5 सितंबर तक बढ़ाई न्यायिक हिरासत

मुंबई। पात्रा चॉल भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में जेल में बंद शिवसेना सांसद संजय राउत को बड़ा झटका लगा है। संजय राउत की न्यायिक हिरासत 5 सितंबर तक बढ़ा दी गई है। यानी अब गणेशोत्सव (31 अगस्त) में भी संजय राउत जेल में रहेंगे। गौरतलब है कि ईडी ने पात्रा चॉल घोटाले में संजय राउत को 31 जुलाई की देर रात गिरफ्तार किया था। इसके बाद स्थानीय कोर्ट ने उन्हें 8 अगस्त तक न्यायिक

हिरासत में भेज दिया था। मुंबई की एक विशेष अदालत ने शहर में एक चॉल के पुनर्विकास में कथित अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन के मामले में शिवसेना के सांसद संजय राउत की न्यायिक हिरासत की अवधि सोमवार को पांच सितंबर तक बढ़ा दी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राउत (60) को गोरेगांव उपनगर स्थित पात्रा चॉल के पुनर्विकास में कथित वित्तीय अनियमितताओं के संबंध में गिरफ्तार किया था।

मामले की जांच अब भी जारी: ईडी की हिरासत में रहने के बाद शिवसेना के नेता को आठ अगस्त को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) से जुड़े मामलों की सुनवाई कर रहे विशेष न्यायाधीश एम. जी. देशपांडे ने सोमवार को राउत की हिरासत अवधि पांच सितंबर तक बढ़ा दी। ईडी ने अदालत को बताया कि मामले में उसकी जांच अब भी जारी है।

राउत ने सभी आरोप किए खारिज: ईडी की जांच पात्रा चॉल के पुनर्विकास में कथित वित्तीय अनियमितताओं और राउत की पत्नी और सहयोगियों से संबद्ध वित्तीय लेनदेन से जुड़ी है। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के करीबी संजय राउत ने इन सभी आरोपों को खारिज किया है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

गणेशोत्सव के लिए 1,500 से अधिक मंडलों को परमिशन

बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि 316 आवेदन रिजेक्ट कर दिए गए हैं। मुंबई में 12 हजार से अधिक रजिस्टर्ड सार्वजनिक गणेश मंडल हैं। उन मंडलों को हर साल गणेशोत्सव से पहले ट्रैफिक पुलिस, मुंबई फायर ब्रिगेड और मुंबई पुलिस से आवश्यक परमिशन लेनी पड़ती थी। इस समस्या को दूर करने के लिए बीएमसी ने सिंगल विंडो सिस्टम शुरू किया है। अब गणेश मंडलों को सभी परमिशन एक ही जगह मिल जाएगी। बीएमसी को अब तक 2,600 से अधिक आवेदन मिले हैं, जिनमें से 365 आवेदन दो बार मिले हैं। 2,233 आवेदन परमिशन की प्रक्रिया में हैं। कोरोना मरीजों की संख्या फिर से बढ़ने लगी है, जिससे बीएमसी की चिंता बढ़ गई है। गणपति आगमन और विसर्जन के दौरान होने वाली भीड़ को देखते हुए बीएमसी अलर्ट मोड पर है, इसलिए बीएमसी ने घर में स्थापित और सार्वजनिक मंडलों से अनुरोध किया है कि विसर्जन के लिए पहले ही ऑनलाइन बुकिंग कर लें। इससे विसर्जन में आसानी होगी। इसके लिए वेबसाइट पर लिंक उपलब्ध है।

अय्याशी का इवेंट...

इन लोगों में पुलिस इंस्पेक्टर, प्रोफेसर और तहसीलदार स्तर के लोग भी शामिल हैं। गिरफ्तार किए गए सभी लोग राजस्थान के बाहर के हैं। जयपुर के जयसिंहपुरा खोर स्थित एक फार्म हाउस पर राजस्थान पुलिस क्राइम ब्रांच टीम ने रेड डाली। यहां पर एक इवेंट का आयोजन किया गया था। इवेंट की एंट्री फीस 2 लाख रुपये प्रति व्यक्ति थी। पुलिस ने कहा जयसिंहपुरा खोर के इस फार्म हाउस में मानव तस्करी, देह व्यापार, कैसिनो (जुआ) और शराब का सेवन चल रहा था। छापेमारी में 13 महिलाओं सहित 84 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इवेंट के आयोजकों को पकड़ने ने भी पुलिस को कामयाबी मिली है। इवेंट का आयोजन करने वाले दिल्ली निवासी पिता-पुत्र नरेश मल्होत्रा और मानवेश मल्होत्रा भी पुलिस हिरासत में हैं। इनका एक और साथी मनीष शर्मा जो कि मेरठ का रहना वाला है, उसे भी गिरफ्तार किया गया है। यह लोग अय्याशी वाले ऐसे ही बड़े-बड़े इवेंट पूरे भारत में अलग-अलग जगहों पर कराते थे। जिसमें लाखों रुपये की एंट्री फीस ली जाती थी। फार्म हाउस से गिरफ्तार लोगों में कर्नाटक पुलिस इंस्पेक्टर, बेंगलुरु का एक तहसीलदार और एक प्रोफेसर भी शामिल है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अजय पाल लांबा ने ऑपिरेशन पर कहा है कि गिरफ्तार किए गए सभी राजस्थान से बाहर के हैं। फार्म हाउस पर वेश्यावृत्ति और अन्य गतिविधियां की जा रही थीं। आयोजकों के खिलाफ मानव तस्करी का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने फार्म हाइस से 5 कसीनो मशीन, 14 लग्जरी वाहन, 23 लाख रुपये से अधिक की राशि भी जब्त की है।

उद्धव और राज ठाकरे एक बार फिर साथ आएंगे?

शर्मिला ठाकरे इस वक्त पुणे दौरे पर हैं। इस दौरे के दौरान पत्रकारों ने उनसे जब पूछा कि आदित्य ठाकरे राज्य का दौरा कर रहे हैं, इस पर उनकी क्या प्रतिक्रिया है, तो शर्मिला ठाकरे ने इस पर आदित्य ठाकरे को शुभकामनाएं दीं और इसकी कामयाबी के लिए प्रार्थना करने की बात भी कही। एकनाथ शिंदे की बगावत के बाद शिवसेना में बड़ी फूट पड़ गई। शिवसेना के 55 में से 40 विधायक के शिंदे गुट में जाने और 18 लोकसभा सांसदों में से 12 शिंदे गुट में शामिल हो जाने और राज्य में सरकार बदल जाने के बाद उद्धव ठाकरे अकेले पड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने भी अपनी तरफ से पहले ही यह बयान दे दिया है कि महा विकास आघाड़ी कोई स्थायी गठबंधन नहीं है। ऐसी स्थिति में वैसे भी आघाड़ी को बचाने से बड़ी लड़ाई उद्धव ठाकरे के लिए शिवसेना को बचाने की है। ऐसे समय में शर्मिला ठाकरे के बयान ने नई चर्चाओं के तूफान को बढ़ा दिया है।

शिक्षक भर्ती की बहाली को लेकर प्रदर्शन

बिहार पुलिस के इस लाठीचार्ज के कई वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें देखा जा सकता है कि किस बेरहमी से पुलिस ने इन प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों को पीटा है। वहीं, प्रदर्शन के दौरान एडीएम लॉ एंड ऑर्डर के के सिंह ने भी प्रदर्शनकारियों को जमकर पीटा। एडीएम की इस हरकत को लेकर तेजस्वी यादव ने सफाई जारी की है।

मुंबई : चूहा मारने वाला जहर गलती से खा लेने पर एक महिला की जान गयी

मुंबई। मुंबई के साकीनाका इलाके में पेट दर्द होने पर दवाई की जगह गलती से चूहे मारने वाली दवा खा लेने से 24 साल की एक महिला की मौत हो गयी। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मरने वाली महिला की पहचान काजल गवहाने के रूप में की गयी है। उन्होंने बताया कि काजल ने 13 अगस्त को गलती से चूहे मारने वाला जहर खा लिया था और शनिवार को सरकारी केईएम अस्पताल में उपजार के दौरान उसकी मौत हो गयी। पुलिस के अनुसार 13 अगस्त को काजल का पति ट्रैकिंग पर था। उन्होंने बताया कि जहर खा लेने के बाद काजल को एक निजी अस्पताल ले जाया गया था और फिर वहां से केईएम अस्पताल लाया गया था जहां उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने कहा कि रविवार को इस घटना के संबंध में दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया गया। पुलिस का कहना है कि महिला के रिश्तेदारों ने कहा कि उन्हें किसी गड़बड़ी का संदेह नहीं है लेकिन जांच जारी रहेगी।

कैनन इंडिया ने अपने गोद लिए हुए गाँवों में मनाया 75वां स्वतंत्रता दिवस

मुंनाई। देशभक्ति और संगठन की भावना को मजबूत करते हुए देश के अग्रणी डिजिटल इमेजिंग दिग्गज, कैनन इंडिया ने 75 वें स्वतंत्रता दिवस से पहले देश में अपने गोद लिए हुए गाँवों में कई गतिविधियों का आयोजन किया। भारत की जमीन के करीब आकर और एक संगठित एवं विविधतापूर्ण देश की भावना का उत्सव मनाते हुए, कैनन के कर्मचारियों ने गोद लिए गए गाँवों का दौरा किया और अनेक दिलचस्प एवं प्रेरणाप्रद गतिविधियों द्वारा बच्चों का उत्साह बढ़ाया। माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी के 'हर घर तिरंगा' अभियान को सहयोग व देश के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर बल देते हुए, कैनन इंडिया ने अपने द्वारा गोद लिए गए - महेश्वरी गाँव (हरियाणा, उत्तर भारत), परिवली गाँव (भिवंडी-ठाणे), कल्याणपुर गाँव (कोलकाता, पूर्वी भारत), और अन्नाडोडी गाँव (बैंगलोर, दक्षिण भारत) 4 गाँवों में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर फहराए जाने के लिए सभी घरों को 2560 राष्ट्रीय ध्वजवितरित किए। देशभक्ति की भावना का प्रसार करते हुए कैनन इंडिया के कर्मचारियों ने अपने द्वारा गोद लिए गए गाँवों में बच्चों को इस दिन के महत्व के बारे में बताया और उन्हें भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद रखने की प्रेरणा दी। इसके बाद स्कूल परिसरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और सभी ने राष्ट्रगान गाया। इसके बाद, एक मनोरंजक खेल दिवस का आयोजन किया गया और अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ एवं प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनके द्वारा बच्चों को देश की नींद व अपनी जड़ों से जुड़े रहने की प्रेरणा दी गई। इस अवसर पर कैनन इंडिया के प्रेसिडेंट एवं सीईओ, श्री मानबु यामाजाकी ने कहा की कैनन में हम महात्मा गांधी के शब्दों में यकीन करते हैं, जो आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, कि 'भारत का भविष्य यहाँ के गाँवों में निहित है'। 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हम अपने गहन सीएसआर अभियानों के साथ उनके इस सपने को सच बनाने की ओर प्रयास किया, ताकि हमारे गोद लिए हुए गाँवों का समग्र सामाजिक विकास हो सके। बच्चे राष्ट्र निर्माण की नींव होते हैं, इसलिए हमने उन्हें इन कार्यक्रमों में हिस्सा लेने और स्वतंत्रता दिवस के महत्वपूर्ण अवसर के जोश, उत्साह, भव्यता और उल्लास का अनुभव लेने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही, भारत में कैनन की 25वीं सालगिरह के साथ हम अपने देश की बहुमूल्य विरासत का स्मरण करने के लिए 'हर घर तिरंगा' अभियान में भाग लेकर देश के प्रति अपनी प्रतिबद्धता मजबूत की।

बिलकिस बानो के साथ इंसाफ करे, आरोपियों को गुजरात सरकार की ओर से मिली छूट के कारण स्वतंत्रता दिवस के दिन रिहा फैसले पर पुनर्विचार करे, न्यायपालिका पर भी सवाल उठ रहे हैं?: हाजी इस्तियाक जागीरदार

गुजरात के चर्चित बिलकिस बानो गैंगरेप केस फिर से चर्चा में है। 2002 के गुजरात दंगों के दौरान हुई गर्भवती बिलकिस के साथ हुई इस वीभत्स घटना के 11 आरोपियों को लंबी कानूनी लड़ाई के बाद सजा हुई थी। कोर्ट ने 2008 में बिलकिस के गुनहगारों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। सजा सुनाए जाने के 14 साल बाद बिलकिस बानो केस के आरोपी अब खुली हवा में सांस ले रहे है। सभी आरोपियों को गुजरात सरकार की ओर से मिली छूट के कारण स्वतंत्रता दिवस के दिन रिहा कर दिया गया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता और मानवधिकार संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी इस्तियाक जागीरदार ने बलात्कारी और बिलकिस बानो के परिवार के सात सदस्यों की हत्या के आरोपियों फैसले पर पुनर्विचार की मांग की। बिलकिस बानो के दोषियों की रिहाई निरस्त करने की मांग की।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

भाजपा महाराष्ट्र के वाईस प्रेसिडेंट कृपाशंकर सिंह के हाथों विजय के. वर्मा के 2 म्युजिक वीडियो हुए लांच

आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर स्टेयर 9 प्रोडक्शन के 2 म्युजिक वीडियो को मुंबई के रेड बल्ब स्टूडियो में भव्य रूप से लांच किया गया जहां अल्बम की पूरी टीम के साथ कई नेता, अभिनेता और सिंगर्स गेस्ट के रूप में मौजूद रहे और मीडिया की भी भारी संख्या देखने को मिली। इस फंक्शन के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री और वर्तमान में भाजपा महाराष्ट्र के वाईस प्रेसिडेंट कृपाशंकर सिंह थे जबकि इस इवेंट के विशेष अतिथि उत्तरप्रदेश के पूर्व मंत्री राजेश यादव और उत्तरप्रदेश के समाजवादी पार्टी के सीनियर लीडर प्रदीप सिंह बब्बू उपस्थित थे। संगीतकार दिलीप सेन, बॉलीवुड सिंगर स्वाति शर्मा, मनमोहन तिवारी, श्वेता खंडूरी, सुनील पाल, राजकुमार कनौजिया भी यहां मेहमान के रूप में उपस्थित रहे। सभी ने दोनों गानों की प्रशंसा की और निर्माता निर्देशक विजय के. वर्मा के काम को सराहा। कृपाशंकर सिंह ने बताया कि आजकल अजीब से गाने बनाए जा रहे हैं मगर मैं निर्माता निर्देशक विजय के. वर्मा और उनकी

पूरी टीम के मेम्बर्स को 'यह है हिंदुस्तान' के लिए शुभकामनाएं देता हूँ। यह देशभक्ति से भरा गाना बहुत ही इमोशनल कर देता है। राजा हसन ने इसे बखूबी गाया है। मैं सरहद पे रक्षा करने वाले फौजियों की बहुत इज्जत करता हूँ। कुछ शहीद फौजियों के बच्चों की पढ़ाई लिखाई में मैं सपोर्ट कर रहा हूँ और जनता से भी अपील करूंगा कि लोग शहीद फौजियों के घरवालों की कद्र करें, सम्मान करें और जहाँ तक सम्भव हो हेल्प भी करें। कृपाशंकर सिंह ने सलमान अली द्वारा गाए गए दूसरे गीत धोखा के बारे में कहा कि बस ईश्वर से प्रेम ही सच्चा है और जिसने कहीं और दिल लगाया उसे धोखा ही मिलेगा। आपको बता दें कि धोखा अल्बम में गौरव शीरीं और एक्ट्रेस अमिका शैल ने अभिनय किया है। इसके सिंगर सलमान अली हैं। निमार्ता विजय के वर्मा और तपिराज भट्ट, निर्देशक विजय के वर्मा हैं। को-प्रोड्यूसर ममता यादव और भूमि ग्रुप हैं। मीनू कुमारी और अमिताभ रंजन ने संगीत दिया है और अमिताभ रंजन ने गीत लिखा है। संजीव के. शर्मा कोरियोग्राफर हैं। ये हिंदुस्तान है गीत के निर्माता विजय के वर्मा और तपिराज भट्ट, निर्देशक विजय के वर्मा हैं। सह निर्माता भूमि ग्रुप (लखनऊ) और संजीव के. शर्मा हैं। सिंगर राजा हसन, संगीतकार जयंत आर्यन, गीतकार संजीव के. शर्मा हैं। यह गीत एस9 म्युजिक द्वारा रिलीज किया गया है। यहां आए सभी मेहमानों ने दोनों अल्बम के निर्माता निर्देशक, सिंगर्स और कलाकारों को शुभकामनाएं दीं।

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी-कलिना विधानसभा द्वारा आयोजित दही हांडी उत्सव 2022 सांसद पूनम ताई महाजन के आशीर्वाद से स्व ऍड रोहित तिवारी को सलामी देकर शुरू हुआ, दही हांडी उत्सव कार्यक्रम की अध्यक्षता मंत्री कृपा शंकर सिंह ने की। भाजपा जिलाध्यक्ष पार्षद सुषम सावंत अमरजीत सिंह बोर्ड के अध्यक्ष चंदू मोरे मौजूद रहे और सभी पदाधिकारी मौजूद थे। इस कार्यक्रम को आयोजन करने वाले थे अशोक सिंह, नानजीभाई वान सह-आयोजक लीडर सिंग (पंजाबी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष) जितेंद्र शुक्ल जयेश पटेल दीपक फड़के उपेंद्र विश्वकर्मा दिनेश बोहरा।

मुस्लिम महासंघ की वार्षिक मीटिंग सम्पन्न

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

उदयपुर। मुस्लिम महासंघ के सक्रिय कार्यकर्ताओ की मीटिंग कमली गाँव स्थित कमलीगढ़ विला रिसोर्ट मे आयोजित की गयी जिसमें महासंघ के द्वारा किये गये कार्यो पर चर्चा की गई। सभी कार्यकर्ताओ ने महासंघ द्वारा किये जा रहे कार्यो पर संतोष जताया। राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी मोहम्मद बक्ष साहब, राष्ट्रीय महासचिव एडवोकेट के आर सिद्दीकी साहब, प्रदेश अध्यक्ष हनीफ खान के नेतृत्व को सभी ने सहमति देते हुए पुनः इनको जिम्मेदारी देने का सर्वसहमति से निर्णय किया। प्रदेश अध्यक्ष हनीफ खान ने प्रदेश उपाध्यक्ष सैयद दानिश अली, संभाग अध्यक्ष तौकिर रजा, जिला अध्यक्ष मुज्जीबुद्दीन खान को अपनी कार्यकारिणी गठन करने के निर्देश दिए। और सभी को एक बार पुनः मौका मिलने पर मुबारकबाद पेश की। मुस्लिम महासंघ के संभागीय उपाध्यक्ष हाजी याहया शाह, जिला उपाध्यक्ष हाजी रफीक छिपा, जिला उपाध्यक्ष हाजी अब्दुल मजीद का हज व उमराह करने पर साफा पहना कर इस्तकबाल किया। हाजियों ने महासंघ की तरक्की के लिये दुआ की। रिटायर्ड सब इंस्पेक्टर जनाब हुमायु खान साहब के महासंघ से जुड़ने पर उनका इस्तकबाल किया गया। आज 21 अगस्त को वरिष्ठ जन दिवस के मोके पर सबसे वरिष्ठ कार्यकर्ता राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शफी इंजीनियर साहब का इस्तकबाल किया। सभीं कार्यकर्ताओ ने ब्लड डोनेशन कैम्प लगाने बाहर से आने वाले मरीजों के लिए रहने की व्यवस्था एवं सहयोग करने पर विचार रखे गये। अंत मे राष्ट्रीय गान के साथ समापन किया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हाजी शफी मैके, हाजी रशीद खान, माजिद खान, मोहसिन खान, असलम खान, शाहिद खान, फारुख मोहम्मद, शादाब खान, अयूब भाई, आदि ने भी सुझाव दिये एव फरमान खान, जावेद, रईस भाई, निजामुद्दीन मुन्ना जाकिर हुसैन बंटी आदि पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बिहार मे हर माह एक हजार नये उद्योग लगाकर हम रोजगार का सुरजन करेंगे: उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ

संवाददाता मो सालिम आजाद

मधुबनी। उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ ने प्रेस कांफ्रेंस मे कहा कि उद्योग विभाग की योजनाओं के क्रियान्वयन की गति को बढ़ाने की आवश्यकता है इस सरकार और रोजगार सुरजन पर है पूरे प्रदेश में नए नए उद्योग लगाकर हम रोजगार का सुरजन करेंगे हम हर मां एक हजार से ज्यादा उद्योग लगाने का लक्ष्य रखकर चल रहे हैं उन्होंने कहा कि उद्योग की उन्नति होगी तो परदेस उन्नति करेगा हमारे कोशिश होगी कि कुटीर उद्योग के साथ बड़े उद्योगों का विकास हो यह बातें नए उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ ने विभाग का कार्यभार ग्रहण करने के बाद प्रेस कांफ्रेंस से चर्चा करते हुए कही है।

भीलवाड़ा में गणेश चतुर्थी बुधवार 31 अगस्त को गणपति की मूर्तियां मंत्रोच्चार के बीच वितरित की जाएगी

5 जिलों में वितरण के लिए 5 फीट की 300 व सवा फिट की 400 गणपति की मूर्तियां बनवाई

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा में श्री गणेश उत्सव प्रबंध एवं सेवा समिति के तत्वाधान 31 अगस्त बुधवार गणेश चतुर्थी के दिन प्रातः 9:15 बजे अपना घर वृद्ध आश्रम आर सी व्यास कॉलोनी में गणपति की मूर्तियां वितरित की जाएगी विगत 29 वर्षों से भीलवाड़ा जिले में मनाया जा रहा गणेश महोत्सव की समरसता 31 अगस्त बुधवार से प्रारंभ होगी। इस बार गणेश चतुर्थी बुधवार को होने से इसका महत्व काफी बढ़ गया है समिति द्वारा तैयार करवाई गई गणपति की मूर्तियां 5 जिलों में वितरण की जाएगी। मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि इस बार 10 दिवसीय गणेश महोत्सव का आयोजन होगा 9 सितंबर अनंत चतुर्दशी

के दिन गणपति विसर्जन किए जाएंगे गणेश महोत्सव मनाने के लिए गणेश आयोजन समितिया, मोहल्ला, कॉलोनी, सोसाइटी, व्यक्तिगत घरों व प्रतिष्ठानों पर गणपति की मूर्ति लगाने के लिए, गणपति की मूर्तियो का पूर्व पंजीयन करवाना होगा बुक की हुई प्रतिमाओं को गणेश चतुर्थी के दिन वितरित कि जाएगी। गणेश महोत्सव की समरसता में सभी धर्मों का समावेश होता है सांप्रदायिक सौहार्द से ओतप्रोत महोत्सव इस बार धूमधाम से मनाया जाएगा बाल गंगाधर तिलक द्वारा सभी समाजों को एक मंच पर लाने के लिए यह उत्सव 1893 में शुरू किया था समिति द्वारा इंदौर से बुलाए 7 मूर्तिकारो द्वारा 700 छोटी व बड़ी जूट, चिकनी मिट्टी व प्लास्टर ऑफ पेरिस सहित नेचुरल कलर से गणपति की मूर्तियां तैयार करवाई गई है समिति ने 300 बड़ी 5 फीट की व 400 छोटी एक, सवा फिट की घरों व प्रतिष्ठानों पर लगाने के लिए मूर्तियां तैयार करवाई है। समिति के सुभाष अग्रवाल ने बताया कि पूर्व में पंजीयन करवाई गई मूर्ति ही समिति द्वारा संस्था को दी जाएगी गणपति की मूर्तियों का पंजीयन अपना घर वृद्धाश्रम आरसी व्यास कॉलोनी भीलवाड़ा में किया जा रहा है। उक्त जानकारी पत्रकार मोनू छीपा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

शाहपुरा में भारत विकास परिषद की प्रेरणा से आदर्श स्कूल में वाटर कूलर भेंट किए गए

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान भारत विकास परिषद शाहपुरा की प्रेरणा से शिक्षाविद् एवं स्केच आर्टिस्ट स्वर्गीय श्री प्रदीप व्यास की स्मृति में उनके सुपुत्र हर्षित व्यास द्वारा एक 80 लीटर का वाटर कूलर आदर्श विद्या मंदिर गांधी पुरी शाहपुरा में भेंट किया गया। जिसका लोकार्पण भारत विकास परिषद उत्तर पश्चिमी प्रांत के क्षेत्रीय अध्यक्ष डी.डी. शर्मा, क्षेत्रीय महासचिव त्रिभुवन शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर स्वर्गीय प्रदीप व्यास की भाभी मधु व्यास, राजस्थान मध्य प्रांत के अध्यक्ष पारसमल

बोहरा, सचिव गोविंद अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पवन बांगड़, शाहपुरा शाखा के अध्यक्ष जय देव जोशी, संरक्षक यशपाल पाटनी, आदर्श विद्या मंदिर के संरक्षक श्री शंकर लाल तोषनीवाल, श्री कन्हैया लाल वर्मा, परिषद के सचिव श्री सत्यनारायण सेन, कोषाध्यक्ष श्री परमेश्वर सुथार, शिक्षाविद श्री विष्णु दत्त शर्मा, श्री तेजपाल उपाध्याय, अतिरिक्त मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी श्री द्वारका प्रसाद पारीक, श्री रामेश्वर लाल बसेर, महावीर प्रसाद दीक्षित, श्री नितिन जावलिया आदि परिषद के सदस्य उपस्थित थे। ज्ञात हो इस सत्र में परिषद के माध्यम से पूर्व में 2 वाटर कूलर शाहपुरा में श्री दीनदयाल उपाध्याय उद्यान एवं आर एस ई बी के बाहर लगवाए गए थे। उक्त जानकारी क्षेत्रीय पत्रकार मोनू छीपा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

गागेड़ा में विमन्दित संताने, रहने के लिए टूटी टपरी में संघर्ष करता गाड़िया लोहार परिवार

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। एक और प्रगतिशील भारत रोज नए नए विश्वव्यापी आयाम स्थापित कर रहा है दूसरी और सुदूर भारत में कहीं- कही 1947 जैसा भारत देखने को मिलता है। बात कर रहे हैं भीलवाड़ा जिले के आसींद विधानसभा में एक ऐसी गाड़िया लोहार परिवार की जो हाईवे किनारे झुग्गी झोपड़ी जिस पर तिरपाल लगा कई वर्षों से जीवन यापन कर रहा है। विधानसभा के गागेडा ग्राम पंचायत से गुजर रहे राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 148 डी के किनारे

गुजर बसर कर रहे इस परिवार की स्थिति बड़ी ही दयनीय है। परिवार में 5 सदस्य हैं मुखिया प्रेम देवी 2 बेटे 1 बेटी व पति। बेटा व एक बेटी मानसिक रूप से विमन्दित है माता प्रेम देवी इन दोनों विमन्दितो की सेवा में लगी रहने के कारण किसी तरह की मजदूरी नहीं कर पाती हैं। पति पशुपालन का कार्य करके परिवार का गुजारा बसरा करने के लगा रहता है। क्षेत्रीय संवाददाता दिनेश साहू ने जब इस परिवार से मिले और इस परिवार की बदहाली के बारे में जाना तो परिवार की मुख्य प्रेम देवी ने बताया कि सरकार द्वारा प्राप्त होने वाला 2 रुपये किलो का गेहूं भी हमारे को नसीब नहीं हो रहा है। मेरे पास मकान नहीं है, मेरे दोनों बेटे पूरी तरह से भी विमन्दित हैं इनके इलाज के लिए मेरे पास फूटी कौड़ी तक नहीं है। साथ ही इन सभी समस्याओं के साथ प्रेम देवी ने सरकार से हाथ जोड़कर परिवार की सहायता की अपील की। उक्त जानकारी क्षेत्रीय पत्रकार दिनेश साहू ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

मानव सेवा समिति ने स्वर्गीय माता-पिता की बेटी की शादी में किया सहयोग

अबोहर। समाज में बहुत सारे ऐसे लोग हैं, जिन्हें उनके अपने बेसहारा छोड़कर जा चुके हैं। मानव सेवा समिति ऐसे लोगों के लिए एक आशा कि किरण का काम कर रही है। ये बात तब सार्थक हुई जब मानव सेवा समिति के दानवीर सेवादारों द्वारा एक स्वर्गीय माता-पिता की बेटी की शादी में सहयोग किया गया। जानकारी देते हुए संस्था के चेयरमैन सुभाष मानव ने बताया कि कुछ दिन पहले गांव गोविंदगढ़ से एक महिला अपने साथ एक लड़की को लेकर संस्था के दफ्तर में आई, उसने बताया कि इस लड़की के माता-पिता का स्वर्गवास हो चुका है और परिवार में कोई सदस्य नहीं है। इनका एक कमरा था, वो भी गिर गया है। उस महिला ने इस कन्या की शादी में सहयोग करने के लिए संस्था से निवेदन किया। संस्था की सर्वे टीम द्वारा बताए हुए एड्रेस पर पहुंच कर जांच पड़ताल की गई तो महिला द्वारा बताए गए हालात ही सामने आए। सर्वे रिपोर्ट के आधार पर संस्था द्वारा इस कन्या की शादी में सहयोग करने का फैसला किया गया, जिस पर संस्था के दानवीर सेवादारों खुमारी चाय पत्ती, भीम ज्वेलर्स, विजय चांदना, सुनील कुमार, रोहतास कुमार, चिमनलाल, ललित कश्यप, निखिल भठेजा, बिट्टू बाजार, जिमी मुंजाल, सुनील तिन्ना, महावीर प्रसाद, विकास कुमार, गोपी राम, भागीरथ, सुभाष चंद्र, भूपराम, सुदेश रानी, पूनम कुमारी रिटायर्ड प्रिंसिपल और गीता रानी द्वारा इस कन्या की शादी में दिए जाने वाला सामान कपड़े, सर्दी और गर्मी के बिस्तर, पंखा, सोना-चांदी के जेवर, घरेलू वरतों के बर्तन, कुकर, चपाती बोकस, मेज कुर्सियां, आटा-दाल इत्यादि संस्था को भेंट किया, जो आज ये सारा सामान संस्था के सेवादारों महावीर प्रसाद, राम कुमार, मनीष कुमार मेंहदीरता, भीम सोनी, बलविंदर, अंकिता और सुभाष मानव की मौजूदगी में इस कन्या के सुपुर्द किया गया और उसके मंगलमय जीवन के लिए उसे आशीर्वाद दिया गया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

उत्तरप्रदेश के प्रतापगढ़ गौशाला में अव्यवस्थाओं के चलते मरने वाली गायों की मौत का आखिर कौन जिम्मेदार?

प्रतापगढ़ प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट की उपाध्यक्ष बिंदु वर्मा ने किया सनसनीखेज खुलासा

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। हिंदुत्व और गाय के नाम पर बनी सरकार को बदनाम करने की साज़िश के तहत गौवंश का शव बन रहा कुत्तों और पक्षियों का निवाला। जिले की सीडीओ मैडम सहित आलाधिकारी को भी नही नजर आ रहा यह नजारा, जबकि सीडीओ मैडम आए दिन होती है दौरे पर। अव्यवस्थाओं के चलते गौशाला में मर रही गाय, मौतों को छुपाने में लगे आलाधिकारी। जिले के मांधाता विकास खंड के सराय भीमसेन में गांव में बनी अस्थाई गौशाला में गायों की अव्यवस्थाओं के चलते हो रही लगातार मौत। उनके शवों को कहीं कुत्ते खा रहे हैं या फिर शव खुले में पड़े हुए हैं। जानकारी के अनुसार इन गायों की मौतें भूख, प्यास व इलाज के आभाव के कारण हो रही हैं। जिसे लेकर जिम्मेदारों ने आंखे मूंद रखी है। बताते चले की इसके पहले भी प्रधान मो इशरार और पूर्व सचिव हरिकेश बहादुर सिंह की लापरवाही से जीवित गौवंश बन रहे थे कुत्तों का निवाला और जीवित को ही दफनाया जा रहा था, जिसकी जांच बीडीओ मांधाता आज तक नही कर सके पूर्ण, मामले में हो गई खानापूर्ति, कागजों में सिमट गई जांच। क्षेत्रीय विधायक जीतलाल पटेल से बात की गई तो कहा कि कैसे सिद्ध होगा की यह गौशाला की ही गाय है? घुमंतु गाय है मर गई होंगी वहां कौन दफनाने जायेगा

पत्रकार जी, और सरकार को बदनाम करने के लिए यह विपक्षियों की चाल है। सवाल यह उठता है की जब ऐसे ही विधायक को यह नही पता कि सूबे के मुख्यमंत्री ने यह कहा है की बेसहारा गायों को गौशाला में रखा जाए वहां इनकी देखभाल हो, कैसे होगा मुख्यमंत्री जी का सपना साकार जिस विधायक को नही पता है सरकार के निर्देश। बताते चले की भाजपा के मांधाता मंडल अध्यक्ष विक्रांत सिंह नवीन ने बातचीत में कहा की यह बहुत ही निंदनीय है और यह आलाधिकारी संज्ञान में लेकर कार्यवाही नही किए तो मुख्यमंत्री से भी करेंगें शिकायत। जब सत्ता पक्ष के पदाधिकारी और विधायक के बयान ही अलग अलग हो सकता है तो सूबे की सरकार में क्या नही हो सकता है? जब जिले में ऐसे ही भ्रष्ट अधिकारी कर्मचारी करेंगे इतनी ईमानदारी से कार्य की सूबे की सरकार की मंशा पर फिरेगा पानी तो किस सपने को साकार करेंगें जिला प्रतापगढ़ के आलाधिकारी? सवाल यह उठता है कि जिले की मांधाता विकासखंड के अंतर्गत जिले के आलाधिकारी और जनप्रतिनिधि की क्यूं नही पड़ रही नजर? सोशल मीडिया पर हुए वायरल तस्वीर में जिले के आलाधिकारी जांच कर कार्यवाही करेंगें या फिर बीते माह में हुए मामले की तरह यह जांच भी कागज में सिमट कर दम तोड देगी।

श्रीगंगानगर में हवस के भूखे भेड़ियों ने जयपुर की दलित युवती को शराब पिलाकर बनाया अपनी हवस का शिकार, फेसबुक पर दोस्ती करके फिल्म में काम दिलाने के बहाने जयपुर से श्रीगंगानगर बुलाया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। अगर आप फेसबुक पर किसी अंजान व्यक्ति से दोस्ती करके चैटिंग कर रहे है हैं तो सावधान रहिए। अगर आप लड़की है तो कोई भी व्यक्ति आपको मीठी-मीठी चिकनी चुपड़ी बातों में फंसाकर फिल्मों में रोल दिलाने के झूठे सपने दिखा कर आपको अपनी हवस का शिकार बना सकता हैं। सजग रहें.. सावधान रहें.. जागरुक रहें। मगर श्रीगंगानगर में ऐसा ही एक सनसनीखेज मामला सामने आया है जहां जयपुर की एक दलित महिला श्रीगंगानगर में हवस के भूखे भेड़ियों की हवस का शिकार हो गई है। ऐसी ही एक घटना 14 अगस्त 2022 की हैं। प्रकरणनुसार एक दलित युवती मोनखर (अलवर) हाल मुकाम कुशीनगर सांगानेर रोड़ जयपुर की रहने वाली करिश्मा जाटव जो जयपुर में रहती हैं। उसकी श्रीगंगानगर के रहने वाले बलकरण सिंह से फेसबुक के माध्यम से दोस्ती हुई। दुष्कर्म के आरोपी बलकरण सिंह ने उसे फेसबुकपर ही प्यार भरी चिकनी चुपड़ी और फिल्मों में काम दिलाने के झूठे सपने दिखा कर झूठी बातों में फंसाकर उसे श्रीगंगानगर बुलाया। करिश्मा जाटव उसकी झूठी बातों में आकर ट्रेन से श्रीगंगानगर आ गई और योजना अनुसार बलकरण सिंह उसे तय सीमा पर रेलवे स्टेशन पर उसका इंतजार करता मिला, जैसे ही वह श्रीगंगानगर पहुंची बलकरण सिंह उसे अपनी कार में बिठाकर जसा सिंह मार्ग स्थित चन्द्रलोक होटल में ले गया। साथ में

बलकरण सिंह का दोस्त निर्मल सिंह भी कार में मौजूद था। बलकरण सिंह ने होटल में कमरा लिया और बलकरण सिंह ने होटल में अपनी व करिश्मा जाटव की आईडी दिखाई। तत्पश्चात बलकरण सिंह व निर्मल सिंह ने पीड़िता युवती करिश्मा को शराब पिलाई फिर करिश्मा धीरे धीरे नशे में धुत हो गई और उसे नींद आ गई तत्पश्चात बलकरण सिंह, निर्मल सिंह, जसकरण सिंह व दो अन्य ने युवती के साथ बारी बारी से दुष्कर्म किया। युवती जब सुबह उठी तो उसे थकान सी महसूस हुई और उसे दुष्कर्म का अहसास हुआ। वो होटल में बैठी तो सामने सभी आरोपी बैठे थे और उन्होंने पीड़ित युवती को डराया धमकाया कि अगर तुमने किसी को बताया तो हम तुझे जान से मार देंगे। और युवती के पर्स में रखे दस हजार रुपए व सोने की अंगूठी भी ले लिए। फिर उसे कार में बिठाकर सभी आरोपी रेलवे स्टेशन छोड़ गए। तत्पश्चात युवती अपने आप को ठगा सा महसूस करने लगी और फिर पीड़िता ने सभी आरोपियों के खिलाफ श्रीगंगानगर पुलिस थाने में दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई और आरोपियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की। इस पर श्रीगंगानगर पुलिस थाने ने दुष्कर्म का मामला दर्ज करके जांच शुरू की है। बहरहाल उक्त आरोपी क्षेत्रीय नेता के करीबी बताए जा रहे हैं। जो पुलिस द्वारा उक्त आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई होना संदेह के दायरे में आना प्रतीत हो रहा हैं।

मेरे बेटे को पुरानी रंजिश के तहत फसाया गया है

फहीम अहमद राज
(हरिद्वार पिरान कलियर)

थाना पिरान कलियर से चार दिन पूर्व नशीले इंजेक्शन बरामद होने पर एंटी ड्रग्स फोर्स द्वारा पकड़े गए अभियुक्त आसिफ को जेल भेजने की कार्यवाही सवालों के घेरे में आ गईं है। जेल गए आसिफ के पिता शमशाद का कहना है कि उसके बेटे को एक साजिश के तहत पुरानी रंजिश निकालने के लिए फसाया गया है आसिफ बिल्कुल निर्दोष है वह एक मोटर मैकेनिक का कार्य करता है उसका किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थ से कोई संबंध नहीं है। आसिफ के पिता शमशाद का कहना है कि घटना के दिन आसिफ अपनी दुकान पर था उसके पास कोई मोटरसाइकिल ठीक कराने के लिए आया था, आसिफ ने मोटरसाइकिल ठीक करके उसको दे दी और वह चला गया लेकिन अपने साथ लाया थैला आसिफ की दुकान पर छोड़ गया और थैले में किया था आसिफ को नही पता था, जैसे ही मोटरसाइकिल वाला ठीक करा कर आसिफ की दुकान से चला गया दो मिनट के बाद पुलिस आकर उस थैले को उठा लेती है और आसिफ को पकड़ लेती है पुलिस के साथ ही एक स्थानीय पत्रकार भी आता है जो हमसे पुरानी रंजिश रखता था, अब इसको साजिश ना कहें तो और क्या कहें, और कुछ दिन पूर्व उसके पड़ोसी गुलजार से उसका किसी बात को लेकर विवाद हो गया था और गुलजार हमेशा उससे रंजिश रखता था। शमशाद का कहना है कि गुलजार से विवाद

होने के बाद मामले को निपटाने के लिए एक स्थानीय पत्रकार जिसका नाम तौकीर है वह भी बीच में आ गया स्थानीय पत्रकार ने कहा कि मुझे कुछ रुपए दे दीजिए मैं इस विवाद को यहीं पर निपट वा दूंगा, हमने स्थानीय पत्रकार के कहने पर कुछ पैसे उसको दे दिए लेकिन मामला निपटा नहीं और उल्टा हमारे पर मुकदमा हो गया जब मुकदमा हो गया तो हमने अपने पैसे वापस मांगे तो पत्रकार ने हमें देख लेने की धमकी दी बस इसी बात को लेकर गुलजार और स्थानीय पत्रकार हमसे रंजिश रखने लगे और उन्होंने ही आसिफ को फसाने की साजिश को अंजाम दिया है, आसिफ के पिता ने प्रशासन से मांग की है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच हो जो दोषी हो उन पर कानूनी कार्यवाही होनी चाहिए। उधर इस संबंध में जब थाना प्रभारी पिरान कलियर से बात की गई तो उनका कहना है कि आसिफ की पहले से ही हमारे पास इंफॉर्मेशन आ रही थी और उसके पिता द्वारा लगाए गए सभी आरोप निराधार हैं, आसिफ की दुकान से जो नशीले इंजेक्शन बरामद हुए हैं उसको किसी लोकल थाने की पुलिस ने नहीं बल्कि एंटी ड्रग्स फोर्स ने मौके से बरामद किए हैं जो जिले से आती है, जो भी इस तरह के कार्य करेगा उसको जेल भेजा जाएगा किसी भी सूरत में नशे के कार्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस संबंध में सीओ रुड़की से भी बात की गई तो उन्होंने कहा है कि आसिफ के परिजनों के सारे आरोप निराधार हैं, उनसे कह दिया गया है उनके पास यदि कोई इस तरह के सबूत है तो वह सबूत पेश करें किसी भी निर्दोष को जेल नहीं भेजा जाएगा, लेकिन हवा हवाई बातों से काम नहीं चलेगा, सबूत हैं तो हमें दें इस संबंध में निष्पक्ष कार्यवाही की जाएगी।

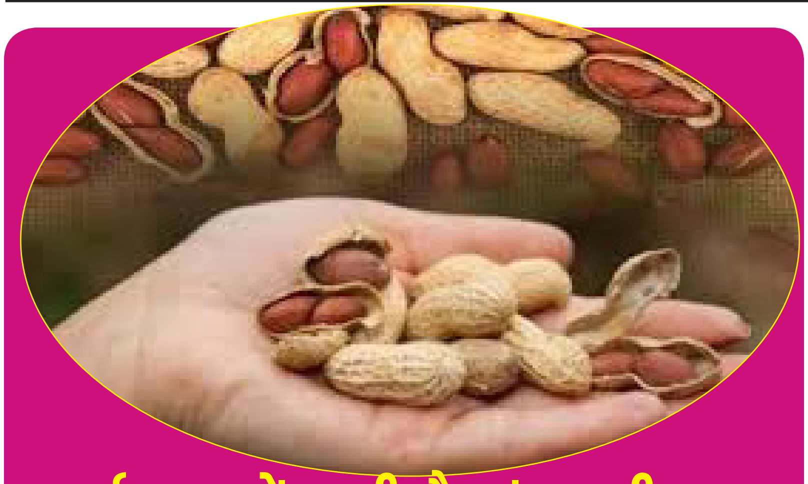

कई फायदों वाली है मूंगफली, इन बीमारियों से करती है बचाव

सर्दियों का मौसम आया नहीं कि लोग मूंगफली जरूर खाते हैं। इसे सस्ता बादाम यूं ही नहीं कहा जाता। प्रोटीन का सबसे सस्ता और बेहतरीन स्त्रोत होने की वजह से मूंगफली को सेहत का खजाना भी कहा जाता है जो कई बीमारियों में फायदा पहुंचाती है। अगर आप भी मूंगफली को सिर्फ टाइमपास के लिहाज से खाते हैं तो आज जान लें इसके सेहत से जुड़े कई फायदों के बारे में...

दूध से भी ज्यादा प्रोटीन मूंगफली में

आपको जानकर हैरानी होगी कि 100 ग्राम कच्ची मूंगफली में 1 लीटर दूध के बराबर प्रोटीन पाया जाता है जबकि मूंगफली को भूनकर खाने पर उसमें जितनी मात्रा में मिनरल्स मिलता है, उतना 250 ग्राम मीट में भी नहीं मिलता।

हेल्दी हार्ट के लिए

मूंगफली में मोनोसैच्युरेटेड और पॉलिसैच्युरेटेड फैट पाया जाता है, जो हार्ट के लिए बहुत ही जरूरी है। सप्ताह में 5 दिन मूंगफली का सेवन किया जाए, तो इससे दिल की बीमारियों की आशंका कम हो जाती है।

कैंसर से बचाव

मूंगफली में पॉलीफिनॉलिक नाम का ऐंटीऑक्सिडेंट पाया जाता है। यह पेट के कैंसर को कम करने की क्षमता रखता है। 2 चम्मच मूंगफली के मक्खन का सप्ताह में एक बार सेवन करने से महिलाओं और पुरुषों दोनों में पेट के कैंसर का खतरा कम होता है।

हड्डी करे मजबूत

मूंगफली के सेवन से हड्डियों को मजबूती मिलती है। इसका कारण है, इसमें मौजूद कैल्शियम और विटमिन डी की मात्रा। यह हड्डियों के लिए एक बेहरीन और सस्ता इलाज है।

गले में खराश और इंफेक्शन, लहसुन चबाने से मिलेगा आराम

गले में खराश का संबंध हमारे श्वसन तंत्र में किसी गड़बड़ी के कारण होता है। जब हमारे गले की अंदरूनी परत में इंफेक्शन हो जाता है तो गले में सूजन, खांसी और खरखराहट होने लगती है। यह सर्दी और जुकाम के कारण भी होता है। आयुर्वेदाचार्य डॉ सरोज पांडेय की मानें तो गले में खराश होने पर ठंडी चीजों से परहेज करें। तेल से बने पदार्थ खाने से बचें। खराश होने पर दवाइयां खाने की बजाए कुछ आसान और घरेलू उपायों के द्वारा हम गले की खराश को दूर कर सकते हैं।

लहसुन चबाएं

लहसुन बहुत ही गुणकारी होता है। किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में लहसुन अहम रोल निभा सकता है। लहसुन में ऐलीसिन नामक खास तत्व मौजूद होता है, जो इंफेक्शन पैदा करने वाले जीवाणुओं को मार देता है।

स्किन है ऑइली तो अपनाएं ये उपाय

विंटर स्किन केयर की बात होती है तो ऑइली स्किन वालों को भी खास सतर्कता बरतने की बात कही जाती है। ऑइली स्किन के साथ मुहांसे और दानों की प्रॉब्लम भी अक्सर हो जाती है। ठंड के मौसम में शुष्क त्वचा वालों की ही तरह ऑइली स्किन वालों को भी अपना खास ख्याल रखना चाहिए।

चेहरे की सफाई का रखें ध्यान - ठंड के मौसम में कुछ लोग चेहरे की सफाई पर ध्यान देना बंद कर देते हैं। ऐसा नहीं करना चाहिए, बल्कि सर्दी में दो बार ऑइली स्किनवालों को फेसवॉश लगाना चाहिए। चेहरे और शरीर की साफ-सफाई का पूरा ख्याल इस सीजन में रखना चाहिए, नहीं तो स्किन फटने के निशान नजर आने लगते हैं।

हफ्ते में एक बार करें स्क्रब - ठंड में शुष्क त्वचा वालों को स्क्रब नहीं करने के लिए कहा जाता है, लेकिन स्किन अगर ऑइली है तो हफ्ते में 1 बार स्क्रब जरूर लगाएं। चाहें तो घर पर भी होममेड स्क्रब बना सकते हैं। आटे या बेसन में थोड़ा सा गुलाबजल डालें और थोड़ा सा केसर डालें। केसर न हो तो उसके स्थान पर एक चुटकी हल्दी भी डाल सकते हैं। इस स्क्रब को चेहरे और गर्दन पर लगाएं और नॉर्मल पानी से धो लें।

टोनर का इस्तेमाल करना न भूलें - स्किन अगर ऑइली है तो आपके ब्यूटी बैग में हमेशा टोनर होना चाहिए। ऑइली त्वचा वालों के स्किन पोर्स काफी बडे होते हैं और इन्हें बंद करना सेहतमंद स्किन के लिए बहुत जरूरी है।

ख़ूबसूरत हाथों के लिए मैनिक्योर नहीं, ये टिप्स आज़माएं

अगर आप भी इंस्टाग्राम, फेसबुक और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया साइट्स पर लोगों के खूबसूरत हाथ देखकर यह सोचती हैं कि काश! आपके हाथ भी इतने खूबसूरत होते... तो अब सोचना बंद करें और इसके लिए काम करना शुरू करें इवन टोन्ड, स्मूथ हैंड्स पाने के लिए आपको पार्लर जाकर मैनिक्योर पर सैंकड़ों रुपये खर्च करने की जरूरत नहीं है। आप घर पर ही इन घरेलू नुस्खों को आजमाकर स्मूथ और परफेक्ट हैंड्स पा सकती हैं...

नेल पॉलिस से एक्सपेरिमेंट

अलग-अलग कलर के नेल पेंट या नेल पॉलिश के साथ एक्सपेरिमेंट करें जब तक आपको अपनी पसंद का परफेक्ट कलर टोन न मिल जाए। आप चाहें तो इसके लिए सॉय-बेस्ड रिमूवर्स या एस-टोन रिमूवर्स का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। नेल पॉलिश हटाते वक्त ध्यान रखें कि नाखूनों के किनारे भी पूरी तरह से साफ हो जाएं और वहां भी नेल पॉलिश का थोड़ा सा हिस्सा भी न रह जाए। इसके अलावा अपनी नेल पॉलिश के खुद ब खुद हटने का इंतजार न करें। पुरानी नेल पॉलिश हटाकर नया कलर लगाने की आदत डालें।

नाखून को रखें शेप में

नेल फाइलर या बफर की मदद से अपने नाखूनों को परफेक्ट शेप में रखें। इसके लिए नीचे से शुरू कर नाखूनों एज को सील करना ही सही तरीका है। इससे न सिर्फ आपके नाखून के किनारे स्मूथ हो जाएंगे बल्कि नाखून का ऊपरी हिस्सा यानी सरफेस भी साफ हो जाएगा।

नाखून का शेप

क्यूटिकल्स हटाएं

सिलिकॉन पुशर का इस्तेमाल कर नाखून के क्यूटिकल्स को पीछे की तरफ पुश करें। हालांकि ऐसा करने से पहले नाखूनों पर तेल या क्यूटिकल सॉफ्टनर लगाना न भूलें। हो सकता है कि इस प्रक्रिया में आपको थोड़ा दर्द महसूस हो लेकिन यकीन मानिए यह प्रोसेस सुंदर हाथों के लिए बेहद जरूरी है।

पहले बेस लेयर फिर नेल पेंट

बेहतर होगा अगर आप नेल पॉलिश लगाने से पहले नाखूनों पर एक अच्छा बेस लेयर लगाएं। ऐसा करने से आप अपने क्यूटिकल्स को नेल पॉलिश में मौजूद केमिकल्स से बचा पाएंगी। हालांकि अगर आप अच्छी कंपनी के नेल पेंट का इस्तेमाल कर रही हों तो बेस लेयर के प्रोसेस को स्किप करें और सिर्फ नेल पेंट का ही 2 लेयर लगाएं।

हैंड क्रीम यूज करें

हाथों को मॉइश्चराइज्ड, सॉफ्ट और फ्रेश रखने के लिए हैंड क्रीम का इस्तेमाल करें। कुछ हैंड क्रीम्स ऐसे भी आते हैं जिसमें सनस्क्रीन भी होता है और इसका इस्तेमाल करने से आपके हाथ सूर्य की हानिकारक किरणों की वजह से टैन होने से बच जाएंगे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

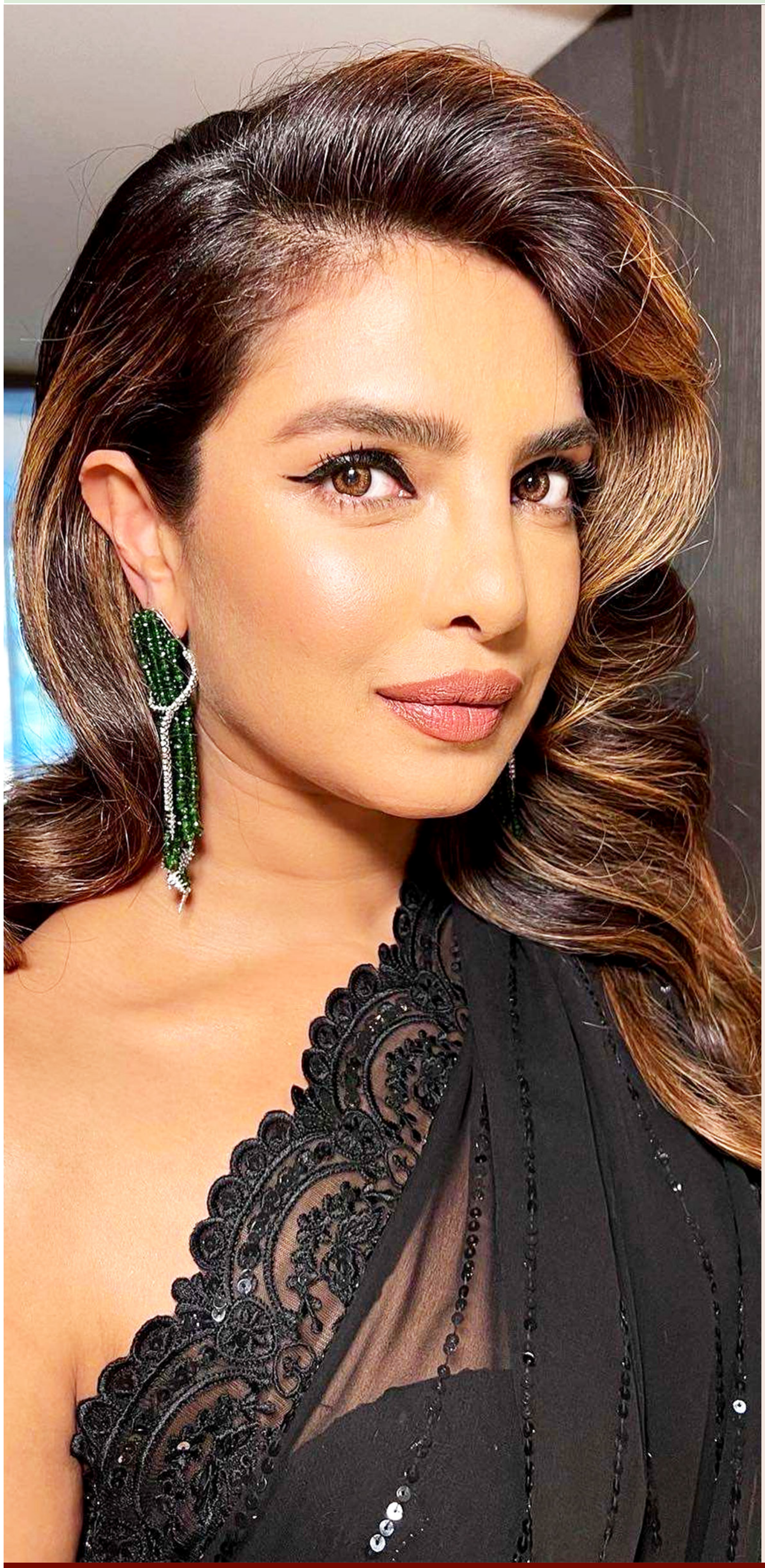

प्रियंका चोपड़ा ने बेटी को बुरी नजर से बचाने के लिए किया ऐसा काम

बॉलीवुड से हॉलीवुड तक अपने नाम का डंका बजाने वाली देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी बेटी मालती के साथ वक्त बिता रही हैं। एक्ट्रेस आए दिन अपनी बेटी की तस्वीरें फैंस के साथ साझा कर रही हैं। जिसे फैंस भी काफी पसंद करते हैं। एक बार फिर प्रियंका ने बेटी की कुछ और अनसीन तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं जो काफी तेजी से इंटरनेट वर्ल्ड में वायरल हो ही है। प्रियंका और उनकी लाडली की क्यूट पिक्चर्स पर ना केवल फैंस बल्कि सेलेब्स तक खुद को रिएक्ट करने से रोक नहीं पाए हैं। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से दो तस्वीरें शेयर की है।। तस्वीरों को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, 'प्यार जैसा कोई और नहीं।' इन तस्वीरों में देसी गर्ल अपनी बेटी मालती के साथ नजर आ रही हैं। पहली तस्वीर में मालती अपनी मां की गोद में बैठकर पूल का तुल्फ उठाती दिख रही है, तो दूसरी तस्वीर में एक्ट्रेस की बेटी के छोटे-छोटे पैर उनके चेहरे पर दिखाई दे रहे हैं प्रियंका की बेटी के हाथ में बंधा काला धागा और पैरों में नजर आ रहे काले मोती की पायल। गोल्ड और काले मोतियों से बने इस पायल में हार्ट शेप का डिजाइन बना है, जिसपर हर किसी की निगाहें थम गई हैं। दरअसल, भारत में काले धागे को लोग बुरी नजर से बचाने के लिए इस्तेमाल करते है ऐसे में देसी गर्ल का विदेश में रहते हुए बेटी के हाथ में काला धागा और पैर में काली मोती की पायल देख लोग हैरान हो गए है।

फरहान अख्तर ने दी नसीहत

पिछले काफी वक्त से बॉलीवुड फिल्में बॉक्स ऑफिस पर एक के बाद एक फ्लॉप होती जा रही है। ना सिर्फ कम बजट बल्कि बिग बजट फिल्में भी कोई खास कमाल नहीं दिखा पा रही है। बॉलीवुड सुपरस्टार्स की मूवीज भी देखने के लिए दर्शक सिनेमाघरों तक नहीं पहुंच रहे है। जबकि साउथ और हॉलीवुड फिल्में बॉलीवुड फिल्मों से अच्छी कमाई कर रही है। साउथ स्टार्स की फिल्में देखने के लिए फैंस के बीच एक क्रेज देखने को मिल रह है। ऐसे में लगातार फ्लॉप होती फिल्मों को लेकर अभिनेता, फिल्म मेकर फरहान अख्तर ने अपनी राय रखी। फरहान अख्तर ने धड़ाधड़ फ्लॉप होती बॉलीवुड फिल्मों और दूसरी भाषाओं की फिल्मों को लेकर लोगों के बढ़ते क्रेज को लेकर कहा, हर किसी को अपनी भाषा से एक भावनात्मक लगाव होता है। आप अपनी भाषा में भावनाओं के बेहतर तरीके से समझ सकते हैं। कई बार केवल एक शब्द से ही बहुत सारी भावनाए जाहिर हो जाती हैं इसलिए अपनी भाषा के कॉन्टेंट की अलग बात होती है। लेकिन जब आप बाहर के लोगों से बात करते हैं तो वे भावनाएं थोड़ी सी अलग हो सकती हैं। जब हम फिल्म 'एलेक्जेंडर द ग्रेट' को इंग्लिश में देखते हैं तो हमें कोई फर्क नहीं पड़ता जबकि ये अलग बात है कि रोमन लोगों ने कभी इंग्लिश नहीं बोली थी। उन्होंने आगे बताया, 'यह बिल्कुल सामान्य है कि आप इंग्लिश का कॉन्टेंट देखें। लेकिन मुझे लगता है कि हमें अब इस बैरियर को तोड़ना चाहिए है। आपको ऐसा करने के लिए कुछ बेहतर तरीका सोचना ही होगा ताकि किसी भी भाषा में वही भावनाएं जाहिर की जा सकें। तो निजी तौर पर मुझे यह बहुत बड़ा मुद्दा नहीं लगता है।

क्लोजफ्रेंड के सवाल पर कियारा ने इस एक्टर का लिया नाम

कॉफी विद करण का काउच अब सभी सेलिब्रिटी के लिए लकी साबित हो रहा है। ऐसा हमारा नहीं खुद शो के होस्ट का मानना है। नए सीजन के लगभग सभी एपिसोड में होस्ट करण जौहर ये बात सेलिब्रिटीज को बताते दिखे। सिद्धार्थ मल्होत्रा ने कियारा संग अपने रिश्ते पर मुहर लगा दी। अब शो के नए प्रोमो में कियारा-शाहिद कॉफी काउच शेयर करते दिख रहे हैं। प्रोमो में कियारा आडवाणी भी खुलकर अपने रिश्ते पर बात करती दिख रही है। रैपिड राउंड में करण कियारा से बोलते दिख रहे हैं कि वो उनके कुछ को-स्टार का नाम लेंगे। इसे सुनने के बाद उनके दिमाग में पहला रिएक्शन क्या आता है। वो बताना है। करण सबसे पहले शाहिद कपूर का नाम लेते हैं जिसे सुनने के बैद एक्ट्रेस रोती हुई आवाज में 'प्रीती' बोलती है। जिसके बाद करण कियारा के बॉयफ्रेंड सिद्धार्थ मल्होत्रा का नाम लेते हैं। लेकिन कियारा कुछ बोल पाती कि इससे पहले ही शाहिद ही इसका जवाब दे देते हैं। शाहिद एक्ट्रेस को बीच में रोकते हुए जवाब में बहुत ही अलग आवाज में कियारा...बोलते है। शाहिद का ये जवाब सुन कियारा और करण जोर-जोर से हंसने लगते है। वहीं, प्रोमो में जब करण कियारा से पूछते हैं कि उनका क्लोज फ्रेंड कौन है। इसके जवाब में एक्ट्रेस बगल में बैठे शाहिद कपूर का नाम लेती है। करण जब सिद्धार्थ संग रिश्तों पर सवाल करते हैं तो एक्ट्रेस बताते है हम दोनों क्लोज फ्रेंड्स से ज्यादा है।